पाकिस्तान में महिला पत्रकारों की सुरक्षा पर उठे सवाल, रावलपिंडी में टीवी एंकर राबिया अहसान की बेरहमी से हत्या

रावलपिंडी(ए)। पाकिस्तान में महिलाओं और विशेषकर महिला पत्रकारों की सुरक्षा पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। रावलपिंडी में टीवी एंकर राबिया अहसान की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद पूरे देश में स्तब्धता है। पुलिस ने राबिया के पति अहसान ताहिर को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच जारी है, लेकिन इस घटना ने कामकाजी महिलाओं और पत्रकारों के जीवन पर मंडरा रहे खतरे को फिर से उजागर कर दिया है। सानिया यूसुफ और हिना जावेद के बाद यह तीसरी बड़ी वारदात है, जिसने समाज में व्याप्त इस गंभीर समस्या को रेखांकित किया है। यह घटना दर्शाती है कि पाकिस्तानी समाज में महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति कितनी भयावह है।



पाकिस्तान में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के आंकड़े बेहद डराने वाले हैं। ह्यूमन राइट्स कमीशन ऑफ पाकिस्तान के अनुसार, 2025 में कथित 'इज्जत' के नाम पर कम से कम 470 महिलाओं की हत्या कर दी गई थी। वहीं, अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन 'साहिल' ने 2026 के पहले छह महीनों में ही लिंग आधारित हिंसा के 3,172 मामले दर्ज किए। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक स्थिति कहीं अधिक भयावह है, क्योंकि डर, आर्थिक निर्भरता और सामाजिक दबाव के कारण कई मामले दर्ज ही नहीं हो पाते। दुखद यह है कि हिना जावेद जैसे हाई-प्रोफाइल मामलों में भी मुकदमे की सुनवाई महीनों बाद भी शुरू नहीं हो सकी है, जो न्याय की देरी को उजागर करता है और उन महिलाओं के लिए डरावना संदेश देती है जो धमकियों का सामना कर रही हैं।

रविवार को रावलपिंडी स्थित अपने घर में 41 वर्षीय राबिया अहसान की हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, उन्हें दोपहर करीब 3 बजे उनके बेडरूम में गोली मारी गई, जब उनकी मां और बहन घर के लॉन में मौजूद थीं। गोली चलने की आवाज सुनकर राबिया की बहन अलवीना बेडरूम में पहुंचीं, जहां राबिया खून से लथपथ पड़ी थीं और उनके पति अहसान ताहिर के हाथ में पिस्तौल थी। ताहिर ने पहले इसे दुर्घटनावश बताया था, लेकिन बाद में पूछताछ में हत्या करने की बात कबूल कर ली। फॉरेंसिक जांच में .30 बोर की पिस्तौल और गोलियां बरामद की गई हैं। ताहिर पिस्तौल का कोई कानूनी लाइसेंस नहीं दिखा पाए। जानकारों के अनुसार, इस पूरे प्रकरण ने कानून के प्रभावी क्रियान्वयन, पीड़ितों की सुरक्षा और सामाजिक सोच में बदलाव की आवश्यकता को उजागर किया है। संयुक्त राष्ट्र का अभियान भी पीड़ितों को सुरक्षा देने और अपराधियों को सजा से बचने की छूट खत्म करने की बात करता है। पुलिस को हर शिकायत गंभीरता से लेनी चाहिए और महिलाओं को सुरक्षित रहने की जगह, कानूनी मदद और आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए ताकि वे डर के साए में न जीएं और न्याय की उम्मीद रख सकें।

पीओके में विरोध प्रदर्शनों के बाद पाकिस्तान सरकार झुकी

इस्लामाबाद(ए)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बिगड़ते हालात और तीव्र होते जनविरोध के बीच, वहां की विधानसभा ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के नेताओं से बातचीत का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया है। हालांकि, इस प्रस्ताव के साथ बातचीत के लिए सख्त शर्तें भी रखी गई हैं, जो सरकार की मजबूरी और बढ़ते दबाव को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं। पहले जिन आंदोलनकारी नेताओं को आतंकवादी करार देकर उन पर प्रतिबंध लगाए गए थे और कड़ा रुख अपनाया गया था, अब उन्हीं से बात करने की नौबत आना पाकिस्तानी हुकूमत के पास सीमित विकल्पों का सीधा संकेत है।

पीओके में पिछले कई महीनों से लोग बुनियादी सुविधाओं की कमी और विधानसभा की 12 शरणार्थी सीटों को अपनी हकमारी बताते हुए सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इन प्रदर्शनों के दौरान कई जगहों पर निहत्थे लोगों पर सुरक्षा बलों द्वारा कार्रवाई की खबरें भी सामने आई हैं, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई है।

हसीना के लौटने से पहले उनके तीन सहयोगी गिरफ्तारी

ढाका,(ए)। बांग्लादेश का पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के 16 दिसंबर को भारत से लौटने की अटकलों के बीच, गुरुवार को उनके तीन करीबी सहयोगियों को ढाका से गिरफ्तार कर लिया गया। ये गिरफ्तारियाँ हसीना की संभावित वापसी से पहले देश में बढ़ते सुरक्षा और राजनीतिक तनाव के माहौल को दर्शाती हैं, जहाँ उन्हें गैरहाजिरी में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है।



गिरफ्तार किए गए लोगों में हसीना की पूर्व डिप्टी प्रेस सेक्रेटरी केएम शखावत मून, पूर्व डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद इलियास हुसैन और इनकम टैक्स वकील सूफी मोहम्मद अल मामून शामिल हैं। इन तीनों को ढाका के धनमंडी-27 इलाके से पकड़ा गया। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, इन्हें पहले बीएनपी की छात्र विंग जेसीडी के कार्यकर्ताओं ने पकड़ा और बाद में पुलिस को सौंप दिया।

मोहम्मदपुर पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर मसुदुर रहमान ने बताया कि तीनों को जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा।इन गिरफ्तारियों के एक दिन पहले, बुधवार को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के एडिशनल कमिश्नर शफीकुल इस्लाम ने दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों - सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस मोहम्मद अबुल कलाम आजाद और एडिशनल सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस मोहम्मद रकीबुल हसन- को देश विरोधी गतिविधियों के आरोप में गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी थी। उन्हें गाजीपुर और नोआखली से देर रात पकड़ा गया। ये गिरफ्तारियाँ गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद के उस बयान के बाद हुई हैं, जिसमें उन्होंने पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों पर निगरानी बढ़ाने और अधिकारियों को बिना किसी राजनीतिक जुड़ाव के काम करने की चेतावनी दी थी। अहमद ने संकेत दिया था कि देश को अस्थिर करने की साजिशों में कुछ पुलिस अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। 14 नवंबर से अब तक चार अधिकारियों को ऐसे आरोपों में गिरफ्तार किया जा चुका है। बांग्लादेश में राजनीतिक तनाव चरम पर है। हसीना की संभावित वापसी के मद्देनजर बीएनपी सरकार ने देशभर में सुरक्षा कड़ी कर दी है। सीमा पर पैरामिलिट्री फोर्स की 108 प्लाटून तैनात की गई हैं, जिनमें से 56 प्लाटून अकेले हसीना के गृह जिला गोपालगंज में हैं। हाल के हफ्तों में ट्रेन, बस, बैंक और गाड़ियों में आग लगाने की कई घटनाएँ सामने आई हैं। नवंबर की शुरुआत से राजनीतिक हिंसा में कम से कम चार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि चार पुलिस स्टेशनों और कई गाड़ियों को भी जलाया गया। पुलिस का आरोप है कि ये घटनाएँ हसीना की अवामी लीग से जुड़े लोगों ने की हैं, हालाँकि अवामी लीग की गतिविधियाँ फिलहाल प्रतिबंधित हैं।

यूएस में 10 लाख घरों की बिजली गुल, 400 उड़ानें रद्द

वॉशिंगटन(ए)। अमेरिका में सबसे प्रमुख पारंपरिक छुट्टियों में से एक थैंक्सगिविंग के उत्सव के बीच भीषण तूफान, मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं ने देश के जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। मिडवेस्ट से लेकर उत्तर-पूर्वी राज्यों तक फैले इस शक्तिशाली मौसमी सिस्टम ने लाखों लोगों की योजनाओं पर पानी फेर दिया और बड़े पैमाने पर मुश्किलें खड़ी कर दीं। यह तूफान अपनी प्रचंडता के कारण कैलिफोर्निया से लेकर वाशिंगटन डीसी तक, देश के बड़े हिस्से में जनजीवन और यात्रा को बाधित कर रहा है।

गुरुवार रात तक, इस तूफान के कारण देश भर में लगभग 10 लाख घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की बिजली गुल हो गई, जिससे लाखों लोगों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ी और आवश्यक सेवाओं तक पहुंच बाधित हुई। पेंसिल्वेनिया, मैरीलैंड और वर्जीनिया सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में शामिल रहे, जहां बिजली कटौती और तूफानी हवाओं ने सबसे ज्यादा कहर ढाया। कई इलाकों में लगातार भारी बारिश के बाद अचानक आई बाढ़ ने स्थिति को और विकट बना दिया। सड़कों और घरों में पानी भर गया, जिससे लोगों को थैंक्सगिविंग की पारंपरिक दावत के बजाय जलमग्न परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। पश्चिमी तट के इलाकों में भी समुद्र में ऊंची लहरें उठने और तटीय क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालातों ने देशभर में व्यापक चुनौतियां पैदा की हैं। थैंक्सगिविंग सप्ताह को अमेरिकी इतिहास में सबसे व्यस्त यात्रा अवधियों में से एक माना जाता है, और इस बार 8 करोड़ से अधिक लोगों के यात्रा करने का अनुमान था। हालांकि, खराब मौसम ने इन लाखों यात्रियों की योजनाओं पर गंभीर असर डाला है। फ्लाइट ट्रैकिंग के आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार को अमेरिका में 400 से ज्यादा उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि अमेरिका आने-जाने वाली तथा घरेलू स्तर पर संचालित होने वाली 2,200 से अधिक उड़ानों में भारी देरी दर्ज की गई। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने पहले ही बारिश और तेज हवाओं के पूर्वानुमान के मद्देनजर पूरे सप्ताह उड़ानों के प्रभावित होने की चेतावनी जारी कर दी थी, जो अब वास्तविकता बन चुकी है। इस व्यापक व्यवधान ने न केवल यात्रियों को परेशानी में डाला है, बल्कि छुट्टी के मौसम की रौनक को भी फीका कर दिया है।

भारत-यूएई मिलकर अगली पीढ़ी के हथियार बनाएंगे

अबू धाबी(ए)। पश्चिम एशिया के बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अपने रक्षा सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए एक ऐतिहासिक समझौता किया है। अबू धाबी में हाल ही में संपन्न हुई 14वीं जॉइंट डिफेंस को-ऑपरेशन कमेटी (जेडीसीसी) की बैठक में दोनों देशों ने अगली पीढ़ी के अत्याधुनिक हथियार और रक्षा से जुड़े उपकरण मिलकर विकसित करने और उनका सह-उत्पादन करने पर सहमति जताई है। इस महत्वपूर्ण साझेदारी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), साइबर सुरक्षा, सैन्य प्रशिक्षण और समुद्री सुरक्षा जैसे उच्च-तकनीकी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे खाड़ी क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति और मजबूत होगी। भारतीय रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और यूएई के रक्षा मंत्रालय के अंडर सेक्रेटरी लेफ्टिनेंट जनरल इब्राहिम नासिर एम. अल अलावी ने इस महत्वपूर्ण बैठक की सह-अध्यक्षता की। जानकारों का मानना है कि यह समझौता ऐसे महत्वपूर्ण समय में हुआ है, जब पश्चिम एशिया में 'मक्का पैक्ट' जैसे नए सुरक्षा गठबंधनों की चर्चाएँ चल रही हैं। यूएई का भारत के साथ रक्षा तकनीक और साझा उत्पादन पर दांव लगाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वह अपनी सुरक्षा आवश्यकताओं के लिए केवल पारंपरिक साझेदारों पर निर्भर नहीं रहना चाहता। भारत की मजबूत विनिर्माण क्षमता और तकनीकी प्रगति इस साझेदारी को और भी महत्वपूर्ण बनाती है।

अमेरिका ने कहा- हसीना को कुछ हुआ तो तुम्हारी खैर नहीं

ढाका,(ए)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की 16 दिसंबर को प्रस्तावित वतन वापसी ने ढाका से लेकर नई दिल्ली और वाशिंगटन तक राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। एक तरफ उनकी पार्टी अवामी लीग के समर्थक गिरफ्तारी की धमकी के बावजूद जोरदार आंदोलन छेड़ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी रक्षा विभाग के एक पूर्व अधिकारी ने बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि हसीना को कुछ हुआ तो तुम्हारी खैर नहीं। दरअसल, शेख हसीना ने बांग्लादेश के विजय दिवस (16 दिसंबर) के अवसर पर स्वदेश लौटने का ऐलान किया है, लेकिन तारिक रहमान के नेतृत्व वाली मौजूदा बीएनपी सरकार ने उन्हें पहुँचते ही गिरफ्तार कर जेल भेजने का मन बना लिया है। बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने सख्त लहजे में कहा है कि किसी आतंकवादी को केवल हथकड़ी पहनाकर और प्रत्यर्पण के रास्ते ही वापस लाया जा सकता है। इसी पृष्ठभूमि में, अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने न्यूयॉर्क में आयोजित बांग्लादेश न्यूयॉर्क सेमिनार के दौरान प्रधानमंत्री तारिक रहमान को खुली चेतावनी दी है। रुबिन ने दो टूक कहा है कि अगर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को कोई भी नुकसान पहुँचता है या उनका एक बाल भी बाँका होता है, तो इसकी पूरी और एकमात्र जवाबदेही तारिक रहमान और उनकी सरकार की होगी। उन्होंने अमेरिकी राजदूत और अन्य विदेशी राजनयिकों से भी आग्रह किया है कि वे यही कड़ा संदेश ढाका तक पहुँचाएं। रुबिन ने भारत से भी अपने रुख पर कायम रहने की अपील करते हुए कहा कि भारत को बांग्लादेशी अधिकारियों के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहिए। माइकल रुबिन मध्य पूर्व, ईरान, तुर्की और दक्षिण एशिया के मुद्दों पर अपने कड़े रुख और बयानों के लिए चर्चित रहे हैं। इस सेमिनार में, 2024 के छात्र आंदोलन के बाद से भारत में रह रही शेख हसीना मुख्य अतिथि के रूप में वर्चुअली शामिल हुई थीं। इससे पहले भी माइकल रुबिन बांग्लादेश के घटनाक्रम पर लगातार हमला बोलते रहे हैं। उन्होंने अंतरिम सरकार के पूर्व प्रमुख मोहम्मद यूनुस को लोकतंत्र का दुश्मन करार देते हुए उन पर जमात-ए-इस्लामी के आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। उन्होंने हाल ही में यह गंभीर दावा भी किया है कि जमात-ए-इस्लामी ने ढाका स्थित अमेरिकी दूतावास के स्थानीय कर्मचारियों के माध्यम से वहाँ घुसपैठ कर ली है। रुबिन ने एक लेख में संकेत दिया था कि हसीना के सत्ता से हटने के बाद मची अफरा-तफरी में शायद इसका भी हाथ रहा हो। कुल मिलाकर, शेख हसीना की घर वापसी का रास्ता बेहद जटिल और अंतरराष्ट्रीय दबाव से घिरा दिख रहा है।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए उपलब्धियों भरा रहा साल 2026



मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए साल 2026 काफी अच्छा रहा जिसमें उसने कई खिताब अपने नाम किये। इसमें अपनी धरती पर हुए टी20 विश्व कप में खिताब बरकरार रखने के साथ ही एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना और खेल में कई रिकॉर्ड बनाना भी शामिल है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने अपनी ही धरती पर आयोजित हुए टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीता । फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों के बड़े अंतर से हराकर, भारतीय टीम टी20 विश्व कप का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली विश्व की पहली टीम बनी। इसके अलावा वह अपनी घरेलू धरती पर यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली भी पहली टीम बनी। यह भारतीय टीम का तीसरा टी20 विश्व कप खिताब था। पूरे टूर्नामेंट में टीम का प्रदर्शन असाधारण रहा, जहां उसे केवल एक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

वहीं जापान में हुए एशियाई खेलों में भी भारतीय क्रिकेट टीम छायी रही। श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारतीय टीम ने फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा बल्लेबाजों ने भी इस साल कई नए कीर्तिमान स्थापित किए। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय बल्लेबाजों ने छक्कों की बरसात करते हुए एक कैलेंडर वर्ष में 400 छक्के लगाने वाली दुनिया की पहली टीम बनने का गौरव हासिल किया। यह ऐतिहासिक उपलब्धि न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पांचवें टी20 मुकाबले में मिली। इसके अलावा, भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय में 406 रनों के विशाल लक्ष्य को हासिल कर लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड भी बनाया। सबसे बड़ा रन चेज पूरा किया। इस मैच में कप्तान शुभमन गिल ने 223 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम को यादगार जीत दिलाई।टेस्ट प्रारूप में भी भारत ने अपना प्रभावी दिखाया। न्यूजीलैंड की धरती पर टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया ने इसी साल 720 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो न्यूजीलैंड में किसी भी टीम द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है। इस मैच की एक और खास बात यह रही कि भारत के शुरुआती पांच बल्लेबाजों ने 50 या उससे अधिक रनों की पारी खेली, जो विदेशी धरती पर भारतीय क्रिकेट के इतिहास में पहली बार हुआ।

प्रो रेसलिंग लीग का छठा सत्र 3 जनवरी से , 30 नवंबर को होगी नीलामी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रो रेसलिंग लीग का छठा सत्र 3 से 19 जनवरी तक होगा। वहीं इसके लिए नीलामी इसी माह 30 नवंबर को होगा। प्रो रेसलिंग लीग की नियामक एजेंसी पीडब्ल्यूएल ने कहा कि लीग मुकाबलो का आयोजन केडी जाधव स्टेडियम में किया जाएगा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की निगरानी में आयोजित होने वाली इस लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी में दुनिया के शीर्ष पहलवान शामिल होंगे।इस सत्र में कुल छह फ्रेंचाइजी टीमें खिताब के लिए जोर आजमाइश करेंगी। इनमें टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स, हरियाणा थंडर, दिल्ली दंगल वॉरियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रॉयल्स और यूपी डोमिनेटर्स शामिल हैं। यह प्रतियोगिता कुल नौ ओलंपिक भार वर्गों में आयोजित की जाएगी, जिसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए स्पर्धाएं होंगी। पुरुष वर्ग में 57 किलोग्राम, 65 किलोग्राम, 74 किलोग्राम, 86 किलोग्राम और 125 किलोग्राम भार वर्ग शामिल हैं, जबकि महिला वर्ग में 53 किलोग्राम, 57 किलोग्राम, 62

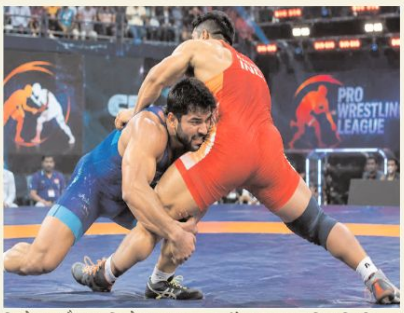

किलोग्राम और 76 किलोग्राम भार वर्ग होंगे।

आयोजकों ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती कैलेंडर के साथ तालमेल बिठाने के लिए कार्यक्रम में संशोधन भी किया है। विश्व कुश्ती की सर्वोच्च संस्था, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) द्वारा अपने कैलेंडर में किए गए हालिया बदलावों के बाद यह फैसला लिया गया, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि लीग किसी भी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा से न टकराए और देश-विदेश के सर्वश्रेष्ठ पहलवान बिना किसी बाधा के इसमें भाग ले सकें। अब मुंबई में 30 नवंबर को होने वाली नीलामी पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। उम्मीद है कि इस सत्र में ओलंपिक और विश्व पियनशिप के पदक विजेताओं सहित कुश्ती जगत के कई दिग्गज शामिल होंगे। इस बार नीलामी में रिकॉर्ड तोड़ बोली लगने की संभावना है, जो कुश्ती प्रेमियों और फ्रेंचाइजी दोनों के लिए रोमांचक होगी। पिछले सत्र में जापान की दिग्गज युई सुसाकी को 60 लाख रुपये में खरीदा गया था, जो पीडब्ल्यूएल के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी बोली थी। भारतीय पहलवानों में अमन सहरावत, अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल जैसे सितारों पर पिछली बार 50 लाख रुपये से अधिक की बड़ी बोलियां लगी थीं, और इस बार भी भारतीय प्रतिभाओं पर भारी दांव लगने की उम्मीद है।

भारत को मिली 2028 थॉमस एवं उबेर कप फाइनल्स की मेजबानी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत को साल 2028 के लिए थॉमस एवं उबेर कप फाइनल्स की मेजबानी मिली है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने भारत को मेजबानी देने जाने की घोषणा की है। यह टूर्नामेंट भारत में दूसरी बार आयोजित होगा। खास बात ये होगी ये पहला सत्र होगा जिसमें पुरुष और महिला टीम की विश्व चैंपियनशिप एक संशोधित 24-टीम प्रारूप और तीन-मैच के आधार पर खेली जाएगी। इस आयोजन से भारतीय बैडमिंटन के विकास में लाभ होगा। इसके साथ ही उभरती हुई प्रतिभाओं को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों से सीखने को मिलेगा।

इससे पहले भारत में साल 2014 में नयी दिल्ली के सिरी फोर्ट खेल परिसर में इस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ था। तब भारतीय महिला टीम ने उबेर कप में अपना पहला कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा साल 2016 में भी इस उपलब्धि को दोहराया था। वहीं, भारतीय पुरुष टीम ने 2022 में थॉमस कप जीता था और 2026 में भी कांस्य पदक हासिल किया। भारत में हाल ही में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप का सफल आयोजन हुआ था जिससे पता चलता है कि देश के पास बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी की पूरी क्षमता है। बीडब्ल्यूएफ ने 2027 से अपनी प्रमुख चैंपियनशिप के प्रारूप में व्यापक बदलावों को भी मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य खेल को अधिक प्रतिस्पर्धी और व्यापक बनाना है। महासंघ ने 2030 तक की कई प्रमुख प्रतियोगिताओं के मेजबान देशों की भी घोषणा की, जो उत्तरी अमेरिका, एशिया और यूरोप सहित विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित होंगी।

आयरलैंड पहली बार पाकिस्तान दौरे पर जाएगी

लाहौर (ईएमएस)। आयरलैंड क्रिकेट टीम पहली बार पाकिस्तान दौरे पर जाने वाली है। ये दौरान अगले साल की शुरुआत में होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी इस दौरे की पुष्टि की है। साथ ही कहा कि दोनों टीमें लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 20 से 24 जनवरी तक खेलेंगी। यह दौरा दोनों ही टीमों के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आयरलैंड टीम को इससे एकदिवसीय विश्व क्वालीफायर मुकाबलों के लिए अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। वहीं, पाकिस्तान को भी इस सीरीज से एकदिवसीय विश्वकप से पहले अपनी कमजोरियों को जानने के साथ ही सुधार का भी अवसर मिलेगा।इस दौरे में मुख्य सीरीज से पहले, आयरलैंड की टीम पाकिस्तान के हालातों को जानने के लिए 13 से 17 जनवरी तक तीन दिवसीय मैचों की एक अभ्यास सीरीज भी खेलेगी। यह सीरीज आयरलैंड के खिलाड़ियों को पाकिस्तान के मैदानों और मौसम के अनुकूल ढलने में मदद करेगी, जिससे वे मुख्य वनडे सीरीज के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें।क्रिकेट आयरलैंड के निदेशक ग्रीम वेस्ट ने इस दौरे को लेकर कहा कि दोनों बोर्ड बीच बातचीत के बाद ही 50 ओवर के फॉर्मेट पर विशेष ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया गया। वेस्ट ने कहा, शुरुआत में हमने एक मल्टी-फॉर्मेट सीरीज की योजना बनाई थी, लेकिन बाद में दोनों बोर्ड इस बात पर सहमत हुए कि 50 ओवर के क्रिकेट से ही दोनों टीमों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। इस महत्वपूर्ण सीरीज का कार्यक्रम इस प्रकार है: पहला एकदिवसीय 20 जनवरी को, दूसरा एकदिवसीय 22 जनवरी को और तीसरा व अंतिम एकदिवसीय 24 जनवरी को लाहौर में खेला जाएगा।

सैंडपेपरगेट विवाद मामले को अधिक न बढ़ायें : स्टोक्स

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि सैंडपेपरगेट मामले को अधिक बढ़ाना ठीक नहीं होगा। इसलिए इस मामले में एक दूसरे पर आरोप लगाना बंद किये जाए। वहीं इससे पहले क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भी साल 2018 के हुए इस मामले को लेकर सभी खिलाड़ियों और अधिकारियों से सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे पर आरोप न लगाने को कहा है। वहीं स्टोक्स का कहना है कि इस विवाद से खिलाड़ियों के साथ ही उस मैच को जिन लोगों ने देखा उनपर भी असर पड़ा है। इससे खिलाड़ियों के परिवारों को भी मानसिक तनाव हुआ है। ये विवाद पूर्व ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की किताब में किये दावों के बाद फिर गरमा गया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ साल 2018 में खेली गई टेस्ट सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम गेंद से छेड़छाड़ के मामले में फंस गई थी।

मुद्रक , प्रकाशक, स्वामी धर्मेंद्र सिंह के लिए अग्र भारत प्रिंटिंग प्रेस 59/1420/1 अजीत नगर से मुद्रित एवं 203 निर्मल हाइट , सेक्टर 12ए सी.आ.यो. आगरा मथुरा रोड आगरा से प्रकाशित संपादक धर्मेंद्र सिंह दूरभाष 0562 2601233 RNI Reg. No: UPHIN/2007/21286
ईमेलः agrabharat0@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के वचन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र आगरा होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों/समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।